

प्रश्न 1. (b) उदाहरण की सहायता से राष्ट्र और राज्य के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - राष्ट्र ऐसे लोगों का एक समूह होता है जिनमें साझा इतिहास, संस्कृति, परंपराओं तथा एकता की भावना होती है। वहीं, राज्य एक राजनीतिक संगठन है जिसके चार अनिवार्य तत्व हैं: जनसंख्या, भू-भाग, सरकार और संप्रभुता। उदाहरण के लिए, 1947 से पहले भारत एक राष्ट्र था, लेकिन संप्रभुता न होने के कारण पूर्ण राज्य नहीं था।

प्रश्न 2. (a) व्याख्या कीजिए कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्शों को लोकतांत्रिक शासन में किस प्रकार दर्शाती है।

उत्तर - संविधान की प्रस्तावना भारत को एक लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करती है। यह नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय प्रदान करती है। इसमें विचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अवसर की समानता सुनिश्चित की गई है। साथ ही, यह व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता को बढ़ाने वाले बंधुत्व को भी दर्शाती है।

प्रश्न 3. (a) व्याख्या कीजिए कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राज्य विधानमंडल कानून बनाने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका क्यों निभाता है।

उत्तर - लोकतांत्रिक व्यवस्था में राज्य विधानमंडल कानून बनाने वाली प्रमुख संस्था है। यह राज्य और समवर्ती सूची के विषयों पर जनहित में कानून बनाती है। इसके अलावा, यह कार्यपालिका पर नियंत्रण रखती है और राज्य के बजट (धन विधेयक) को पारित करती है। इसलिए यह लोकतांत्रिक कानून-निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाती है।

प्रश्न 4. (b) लोकतंत्र की सफलता के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव क्यों आवश्यक हैं? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तर - लोकतंत्र का मुख्य आधार यह है कि शासन की वास्तविक शक्ति जनता के पास होती है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव इसकी सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं क्योंकि:

1. संप्रभुता की रक्षा: निष्पक्ष चुनावों से नागरिक बिना किसी डर या दबाव के अपनी पसंद की सरकार चुनते हैं।
2. सरकार की जवाबदेही: चुनाव सरकार को जनता के प्रति उत्तरदायी बनाते हैं। यदि सरकार अच्छा काम नहीं करती, तो जनता उसे अगले चुनाव में सत्ता से हटा सकती है।
3. राजनीतिक समानता: यह सुनिश्चित करता है कि हर नागरिक के वोट का समान मूल्य हो।

उदाहरण के लिए, भारत में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए एक स्वतंत्र 'चुनाव आयोग' बनाया गया है। यदि चुनाव निष्पक्ष नहीं होंगे, तो धनबल या बाहुबल वाले अपराधी सत्ता हथिया लेंगे और लोकतंत्र का वास्तविक उद्देश्य ही पूरी तरह नष्ट हो जाएगा।

प्रश्न 5. (a) व्याख्या कीजिए कि भारत में सामाजिक विविधता राजनीतिक भागीदारी को किस प्रकार प्रभावित करती है।

उत्तर - भारत में जाति, धर्म, और भाषा के आधार पर गहरी सामाजिक विविधता पाई जाती है, जो राजनीतिक भागीदारी को कई तरह से प्रभावित करती है:

1. जातियों का राजनीतिकरण: चुनाव जीतने और वोट बैंक बनाने के लिए राजनीतिक दल अक्सर जातियों की लामबंदी करते हैं।
2. पिछड़े वर्गों की सक्रियता: क्यस्क मताधिकार ने उन पिछड़ी जातियों को भी चुनावी राजनीति में ला दिया, जिन्हें पहले अधिकारों से वंचित रखा गया था।
3. आरक्षण नीति का प्रभाव: ऐतिहासिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिए अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों (OBC) के लिए लागू आरक्षण ने उन्हें भारतीय राजनीति में एक मजबूत ताकत बना दिया है।
4. संप्रदायवाद: कभी-कभी यह विविधता नकारात्मक रूप ले लेती है। कुछ राजनीतिक दल स्वार्थ के लिए सांप्रदायिक भावनाएँ भड़काते हैं, जिससे समाज में बँटवारा और सांप्रदायिक हिंसा उत्पन्न होती है।

प्रश्न 6. (b) परियोजना - स्थानीय समुदाय में निर्वाचन जागरूकता

अपने क्षेत्र के 20 लोगों के बीच चुनावी जागरूकता और मतदान भागीदारी को समझने के लिए एक सर्वेक्षण कीजिए। प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर 100-150 शब्दों की संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार कीजिए।

उत्तर - सर्वेक्षण तालिका :

- इस सर्वेक्षण में 18 से 70 वर्ष आयु के कुल 20 लोगों को शामिल किया गया, जिनमें 11 पुरुष और 9 महिलाएँ थीं।

क्र.सं.	प्रश्न	आयु	लिंग	प्रतिक्रिया	टिप्पणियाँ
1.	क्या आपको पता है कि हर वयस्क नागरिक को वोट देने का अधिकार है?	18-70 वर्ष	11 पुरुष, 9 महिलाएँ	19 हाँ, 1 नहीं	लगभग सभी लोगों को मतदान के अधिकार की जानकारी है।
2.	क्या आपको लगता है कि लोकतंत्र में वोट देना जरूरी है?	18-70 वर्ष	11 पुरुष, 9 महिलाएँ	18 हाँ, 2 नहीं	अधिकांश लोग मतदान को लोकतंत्र के लिए आवश्यक मानते हैं।
3.	क्या आपने पहले कभी चुनावों में हिस्सा लिया है?	18-70 वर्ष	11 पुरुष, 9 महिलाएँ	15 हाँ, 5 नहीं	कुछ युवा पहली बार मतदान करने वाले हैं।

4.	उम्मीदवार चुनते समय किन बातों का असर वोटर्स पर पड़ता है?	18-70 वर्ष	11 पुरुष, 9 महिलाएँ	12-विकास कार्य, 4-उम्मीदवार की छवि, 3-स्थानीय मुद्दे, 1-राजनीतिक दल	विकास कार्य सबसे प्रभावी कारण पाया गया।
5.	क्या आपको लगता है कि चुनाव नागरिकों को अपनी राय जाहिर करने में मदद करते हैं?	18-70 वर्ष	11 पुरुष, 9 महिलाएँ	18 हाँ, 2 नहीं	अधिकांश लोगों ने चुनाव को अपनी राय व्यक्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम माना।

प्राप्त प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करते हुए संक्षिप्त रिपोर्ट

मैंने अपने क्षेत्र के 20 लोगों के बीच चुनावी जागरूकता और मतदान भागीदारी को समझने के लिए सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण में 19 लोगों को वयस्क नागरिकों के मतदान अधिकार की जानकारी थी और 18 लोगों ने लोकतंत्र में मतदान को आवश्यक माना। 15 लोगों ने पहले चुनावों में भाग लिया था, जबकि 5 लोगों ने अभी तक मतदान नहीं किया था, जिनमें कुछ युवा प्रथम बार मतदाता थे। उम्मीदवार चुनते समय अधिकांश लोगों ने विकास कार्यों को सबसे महत्वपूर्ण माना, जबकि कुछ ने उम्मीदवार की छवि, स्थानीय मुद्दों और राजनीतिक दल को महत्व दिया। 18 लोगों का मानना था कि चुनाव नागरिकों को अपनी राय व्यक्त करने का अवसर देते हैं। इस प्रकार, सर्वेक्षण से चुनावी जागरूकता का स्तर अच्छा पाया गया, लेकिन युवाओं और नए मतदाताओं में मतदान भागीदारी बढ़ाने के लिए अधिक जागरूकता की आवश्यकता है।